123

दैनिक जागरण 04

भोपाल, 5 मई 2016

धर्म-कर्म श्रीलंका में सीता मंदिर के निर्माण के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने दिए दस करोड़

सीता माता की अग्निपरीक्षा स्थल पर बनेगा मंदिर

जगह देखकर लौटे राम माधव और एसके मिश्रा

विशेष संवाददाता, भोपाल

मध्य प्रदेश सरकार श्रीलंका में दस करोड़ की लागत से सीता मंदिर बनाने जा रही है। राम माधव और मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव एसके मिश्रा जगह देखकर आ चुके हैं। बुद्धिस्ट सोसाईटी ने इसके लिए आधा एकड़ जमीन भी दे दी है।

यह मंदिर दिवुरमपोला नामक स्थान पर बनाया जाएगा जोकि रामायण काल की धरोहर सीता एलिया से कुछ किमी की दूरी पर स्थित है। सिंहला भाषा में एलिया का अर्थ शपथ लेने का स्थान होता है। इस स्थान को लेकर यह किवदंती प्रचलित है कि रावण की कैद में बारह वर्ष तक रहने के बाद माता सीता ने इसी स्थान पर अग्नि परीक्षा दी थी। स्थानीय लोग इस जगह को इतना पवित्र मानते हैं कि यहां के मंदिर में ली गई किसी शपथ को वैधानिक मान्यता भी मिली हुई है। पिछले कुछ दशक तक यह स्थान उपेक्षित पड़ा हुआ था तथा इसे सुरक्षित रखने के लिए महज कंटीले तारों की बाड़ लगी हुई थी। यहां एक बरगद का वृक्ष है जिसके बारे में कहा जाता है कि यह अनुराधापुरा के बोधी वृक्ष की शाखा से उगाया गया है। अनुराधापुरा का बोधी वृक्ष राजा अशोक की पुत्री संघमित्रा के द्वारा सारनाथ के बोधी वृक्ष की शाखा से लगाया गया था। 26 जून 2010 की यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्रीलंका के उवा प्रांत के मुख्यमंत्री शशीन्द्र राजपक्षे एवं भाजपा नेता चंदन मित्रा की उपस्थिति में सीता मंदिर की

दिवुरमपोला फाइल फोटो

आधारशिला स्थापित की थी। उन्होंने यह भी घोषणा की थी कि इस परियोजना के लिए धन मध्यप्रदेश सरकार देगी। श्रीलंका में यह सीताजी का दूसरा मंदिर होगा। शिवराज सिंह चौहान ने अपनी श्रीलंका यात्रा के दौरान राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे से भी मुलाकात की थी तथा उन्हें मध्यप्रदेश में बौद्ध अध्ययन के लिए बनने वाले दुनिया के पहले विश्वविद्यालय के उदघाटन के लिए आमंत्रित किया था। विधानसभा चुनाव के एक साल पहले सितंबर 2012 में राज्य सरकार ने राजपक्षे को सांची में स्थापित होने वाले बौद्ध एवं इंडिक विश्वविद्यालय के भूमि पूजन समारोह का मुख्य अतिथि बनाया था। वर्ष 2013 में राज्य सरकार ने अपने बजट में एक करोड़ रुपये प्रस्तावित किया था तथा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्री लालकृष्ण आडवाणी की मौजूदगी में पार्टी की बैठक में यह घोषणा की थी कि श्री लंका की सरकार से सभी आवश्यक अनुमतियां ले ली गई हैं तथा मंदिर का निर्माण शीघ्र किया जाएगा। श्रीलंका सरकार से प्राथमिक बातचीत एवं राजनयिक मुद्दों के समाधान के बाद यह तय किया गया था कि राज्य सरकार के स्थान पर मंदिर के निर्माण का कार्य किसी निजी पार्टी को दिया जाएगा। पार्टी की बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा था कि स्वामी दयानंद ट्रस्ट से इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए कहा गया है। बाद में बंगलुरू की एक आर्किटेक्चर एवं डिजाइन फर्म से दक्षिण भारतीय शैली में मंदिर का खेआउट प्लान एवं डिजाइन तैयार करने के लिए कहा गया।

The Hitavada
BHOPAL ■ Friday ■ May 13 ■ 2016

Sanchi University's admission process starts, brochure released

Admission process of Sanchi University of Buddhist-Indic Studies was inaugurated at Vichar Mahakumbh-Global Message of Simhastha at Ujjain on Thursday.

■ **Staff Reporter**

SANCHI University of Buddhist-Indic Studies has started admission process for the academic session-2016-17. Admission process was inaugurated during the undergoing 'Vichar Mahakumbh' at Ujjain on Thursday.

Chief Minister Shivraj Singh Chouhan, Rashtriya Swayamsewak Sangh's (RSS) Sarsanghchalak Mohan Bhagwat, Juna Akhada Acharya Mahamandaleshwar Swami Awadheshanand Giri Maharaj, Mahabodhi Society of Sri Lanka's Head Bangala Upatissa Nayak Thero and Gayatri Parivar's Pranav Pandya released Sanchi University's admission prospectus brochure on the occasion of International Vichar Mahakumbh-Global message of Simhastha. Applications for admission in the courses, including Master of Arts (MA), Buddhist Studies, Indian Philosophy, Vedic Studies, Yoga and Holistic Health, Ayurveda, Hindi, English, have been invited up to June 6. Admission process for MPhil and PhD courses will be started on June 18 and academic session will be started from July 15.

भोपाल . शुक्रवार . 13.05.2016

पत्रिका

सांची विविः 6 जून तक भरे जाएंगे फॉर्म

भोपाल. सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय सत्र 2016-17 से चार कोर्स शुरू करने जा रहा है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने छह जून तक ऑनलाइन फार्म आमंत्रित किए हैं। विवि बौद्ध अध्ययन, भारतीय दर्शन, वैदिक अध्ययन, संस्कृत, योग एवं समग्र स्वास्थ्य, हिंदी और अंग्रेजी में स्नातकोत्तर, एमफिल, पीएचडी कराएगा। इसके अलावा चीनी भाषा में सर्टीफिकेट कोर्स शुरू कराएगा। विद्यार्थी विवि की वेबसाइट www.sanchiuniv.org.in से प्रवेश प्रक्रिया के संबंध में अधिक जानकारी ले सकते हैं।

दैनिक भास्कर, भोपाल शुक्रवार, 13 मई, 2016

सांची विवि- एमए, एमफिल एवं पीएचडी के लिए आवेदन 6 जून तक होंगे

भोपाल| सांची बौद्ध विवि ने एमए, एमफिल एवं पीएचडी के लिए आवेदन करने की तारीख घोषित कर दी गई है। इन विषयों में प्रवेश के लिए स्टूडेंट 6 जून तक आवेदन कर सकते हैं। एमफिल व पीएचडी की प्रवेश परीक्षा 18 जून को होगी और एडमिशन 15 जुलाई से होना शुरु होंगे। डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए साक्षात्कार से प्रवेश दिया जाएगा। विश्वविद्यालय में योग एवं समग्र स्वास्थ्य विषय पर एमए या एमएससी की डिग्री के लिए और चीनी भाषा में डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए भी आवेदन कर सकते हैं।

129

TIMES CITY

THE TIMES OF INDIA, BHOPAL | SATURDAY, MAY 14, 2016

CM releases Sanchi varsity brochure

TIMES NEWS NETWORK

Bhopal: Sanchi University for Buddhist-Indic Studies has announced admission process for MA, M Phil and PhD courses for the academic session 2016-17. Chief minister Shivraj Singh Chauhan launched prospectus and brochure of the university during the opening ceremony of the Vichar Kumbh in Ujjain.

Assistant director (public relations) Vijay Dubey said complete information is available on official portal of the university. "Sanchi University offers courses in Buddhist Studies, Indian philosophy, Vedic studies, Sanskrit, yoga and holistic health, Hindi and English," said Dubey.

Objective of the university is to impart education in Buddhist teachings, contemporary philosophy, traditions and practice.

130

दैनिक भास्कर भोपाल, सोमवार 16 मई, 2016 7

सांची विश्वविद्यालय में बनेगा भारत-श्रीलंका मैत्री उद्यान

विदेशी अतिथियों ने साथ काम करने की जताई इच्छा

एजुकेशन रिपोर्टर | भोपाल

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की प्रगति, कोर्स और प्रसार को देखकर जुड़कर काम करने की इच्छा जताने वालों में विचार कुंभ में आए अतिथि भी शामिल हो गए हैं। सांची विवि के भ्रमण पर आए विदेशी एवं अमेरिकी भारतीय नागरिकों ने विवि के मौजूदा कार्यकलापों की जानकारी के साथ आगामी कोर्स एवं एडमिशन प्रक्रिया की जानकारी भी प्राप्त की।

अमेरिकी संपादक मैरी हिक्स कैलिफोर्निया प्राचीन अध्ययन संस्थान के प्रोफेसर देवाशीष बनर्जी, अमेरिकी संस्थान के प्रोफेसर स्थानेश्वर, चेन्नई के प्रोफेसर अरुण गिरि, प्रोफेसर सुनंदा शास्त्री ने विवि परिसर का भ्रमण किया एवं कुलपति डॉ. शशिप्रभा कुमार से मुलाकात भी की।

मजबूत आईटी कोर्स बनें: चर्चा में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने विदेशी विवि के साथ सहयोगी गठबंधन बनाने की सलाह देते हुए कहा कि विवि को मजबूत आईटी आधारित कोर्स बनाने चाहिए। सहयोगी विदेशी गठबंधन के छात्रों को विवि परिसर में पढ़ने के लिए एडमिशन देना चाहिए। प्रो. स्थानेश्वर ने कहा कि अमेरिका और यूरोप में भारतीय दर्शन को चुराने की होड़ लगी है, लिहाजा हमें स्कॉलर्स खड़ा करने के साथ उच्चस्तरीय शोध को बढ़ावा देने की जरूरत है।

उद्यान पर बनी सहमति

कुलपति डॉ. शशिप्रभा कुमार एवं कुलसचिव राजेश गुप्ता ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। विवि के प्रस्तावित परिसर में भारत और श्रीलंका की मैत्री की याद में एक भव्य उद्यान बनाया जाएगा,जिसका नाम मैत्री पार्क होगा। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने भी श्रीलंका के राष्ट्रपति मैत्रीपाल सिरिसेना से सांची में मुलाकात के बाद स्मृति उद्यान बनाने का ऐलान किया था।

भोपाल 13 मई 2016

10

दैनिक जागरण सिंहस्थ उज्जैन 22 अप्रैल–21 मई 2016

127

टीमों को मिलाकर सीएम इलेवन

ट्ज हाकी टूर्नामेंट के लिए सीएम इलेवन टीम घोषित

- टीम में हाकी भोपाल, मध्यभारत ग्वालियर और जबलपुर के खिलाड़ी शामिल
- दो दिन के चयन प्रतियोगिता के बाद चुनी टीम, कल से लगेगा कैंप

टेडियम
ने वाले
बेदुल्ला
क लिए
की टीम
सीएम
में
रत
ल
के
न
त
न
न
ने
ले
से
देन
दा।

मेजर ध्याचंद हॉकी स्टेडियम मयूर पार्क पर गुरुवार को खेले गए अंतिम लीग मुकाबले में भोपाल की ओर से मुनीस कुरैशी ने तीन गोल दागे। जबकि फैसल ने दो तथा आमिर और राजिक ने एक-एक गोल किए। जबलपुर की ओर से एक मात्र गोल साहिल ने किया। इस मैच के बाद टीम घोषित की गई। मुख्य चयनकर्ता ओलंपियन समीर दाद ने बताया कि टीम का कैंप कल से लगेगा। इसमें सभी 23 खिलाड़ी तैयारी करेंगे। टीम के कोच हसरत कुरैशी होंगे। जबकि मैनेजर की भूमिका पूर्व अंतरराष्ट्रीय हाकी खिलाड़ी अल्ताफ-उर-रहमान को सौंपी गई है।

टीम इस प्रकार है

गोलकीपर : अमानउल्ला, अनम अली, **डिफेंडर** : फैसल अजीज, मोहसिन हसन, अकबर इकबाल, प्रदीप राना, अक्षय, अरबाज, **मिडफील्डर** : आमिर अनवर, हसन रिजवी, मो राजिक, मयंक जेम्स, **फारवर्ड** : अकरम इकबाल, मुनीस कुरैशी, रिंकू यादव, आसिफ सिद्दीकी, मो साहिर, शिवेंदर, अनुराग, सुमित हजारिया, हसीन, इरशाद मिर्जा और तरुण प्रताप। हसरत कुरैशी कोच, अल्ताफ-उर-रहमान मैनेजर।

क रियो में रचेंगे इतिहास

कुश्ती संस्था यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने रियो ओलंपिक के लिए भारतीय रेफरी अशोक की अंतिम सूची जारी कर दी है और यह पहला मौका होगा जब कोई भारतीय ओलंपिक बलों का संचालन करता दिखाई देगा। पिछले साल 21 दिसम्बर को जारी 50 रेफरियों कए गए हैं। रेफरियों के महाद्वीपीय और दो विश्व ओलंपिक क्वॉलिफाइंग मुकाबलों में मानते हुए ये बदलाव किए गए हैं। यह जानकारी यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग के अध्यक्ष संघ को लिखे पत्र में दी है।

आज उतरेंगे

बोल्टन, वार्ता। पेशे
अब तक अपराजेय
मुक्केबाज विजेन्दर
होने वाले अपने छठे
मुक्केबाजी मुकाबले
आंद्रेज सोल्ड्रा को
करने के इरादे से उ
मिडिलवेट स्टार वि
खेले अपने पांचों मु
नॉकआउट जीत दर्ज
शुक्रवार की रात को
स्टेडियम में होने वा
उनकी कोशिश एक
की होगी। विजेन्दर
अपनी पांचवीं पेशेव
मातियेज रोयर के नि
थी। विजेन्दर का
पहली बार आठ रा
दूसरी तरफ पालैंड
रिकॉर्ड भी अच्छा र
मुकाबलों में से पांच
साथ 12 में जीत द

शिवम

खेल प्रतिनिधि, भोप

शिवम तिवारी (50
की तूफानी पारी के
क्लब ने सोहेल क्ल
हराकर रेलवे ग्राउंड
टी-20 चैंपियन ट्रॉफी
प्रवेश किया। गुरुवार
में सोहेल क्लब ने
बल्लेबाजी करते हुए
में 158 रन बनाए।

133

दैनिक भास्कर 6 भोपाल, मंगलवार 31 मई, 2016

सांची विवि : एमफिल-पीएचडी के साथ एमए के छात्रों को भी अब स्कॉलरशिप

एमए में स्कॉलरशिप के लिए प्रवेश परीक्षा में 80 फीसदी अंक जरूरी

एजुकेशन रिपोर्टर | भोपाल

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय जुलाई से शुरू होने वाले अकादमिक सत्र में एमए, एमफिल और पीएचडी में एडमिशन लेने वाले छात्रों को स्कॉलरशिप देगा। एमफिल के लिए चयनित छात्रों को प्रतिमाह आठ हजार और पीएचडी के लिए चयनित छात्रों को 14 हजार रुपए की स्कॉलरशिप दी जाएगी। एमए के प्रत्येक कोर्स के लिए चयनित ऐसे प्रथम तीन छात्रों को भी स्कॉलरशिप दी जाएगी, जिन्होंने प्रवेश परीक्षा में 80 प्रतिशत अंक हासिल किए हों। इसी तरह प्रत्येक पाठ्यक्रम में गरीबी रेखा के अंतर्गत आने वाले प्रथम तीन छात्रों को भी स्कॉलरशिप दी जाएगी। लेकिन इन छात्रों का प्रवेश परीक्षा में 70 प्रतिशत अंक लाना जरूरी होगा।

एमए पाठ्यक्रमों में 20-20 सीटें, एमफिल में 10-10 और पीएचडी में 5-5 सीटें हैं। पीएचडी बौद्ध अध्ययन में 10 सीटें होंगी। एडमिशन का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। विवि नए सत्र से बौद्ध अध्ययन, वैदिक अध्ययन, भारतीय दर्शन, संस्कृत, योग, आयुर्वेद, हिंदी एवं अंग्रेजी में एमए, योग व समग्र स्वास्थ्य में एमएससी और बौद्ध अध्ययन, वैदिक अध्ययन, भारतीय दर्शन, संस्कृत, योग, आयुर्वेद, हिंदी व अंग्रेजी में एमफिल व पीएचडी की पढ़ाई शुरू कर रहा है। आवेदन 6 जून तक जमा होंगे। प्रवेश परीक्षा 18 जून को होगी। विवि के असिस्टेंट डायरेक्टर जनसंपर्क विजय दुबे के अनुसार एमफिल, पीएचडी एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों के लिए छात्रों का रुझान देखा जा रहा है।

132

The Hitavada 5 BHOPAL ■ Tuesday ■ May 31 ■ 2016

Sanchi University starts Chinese language course

■ **Staff Reporter**

SANCHI University of Buddhist-Indic Studies is set to introduce PhD, MPhil, MA and certificate courses in the various disciplines from forthcoming academic session July 2016. In these courses being offered by the University a good number of foreign students are showing their interest for admission.

A number of students from USA, Thailand, Myanmar, Taiwan, Singapore, Sri Lanka and Bhutan have enquired about admissions to the courses. At the national level, students from far flung states are also applying in different courses. However, in these courses, the numbers of applicants from Madhya Pradesh are lesser than the applicants from other states.

Sanchi University of Buddhist-Indic Studies is established by state government to propagate Buddhist-Indic Philosophy across the globe and offer a suitable platform to the budding scholars to exchange their knowledge and learning.

This appears to be a golden opportunity for the student of Madhya Pradesh to avail the world class learning facilities so they can achieve a new height of excellence and success in their personal and professional endeavours.

In all the courses, as per the directives of MP government, domiciles of Madhya Pradesh are provided reservation. Students, irrespective of any category from other states will be treated in general category.

This is a golden opportunity for the student of Madhya Pradesh where they can learn from the faculties of international repute. They can stride to a new height of higher education by participating in various learning activities of Sanchi University.

University has decided to provide scholarship the students selected for MPhil and PhD courses. Similarly, scholarship to students of MA courses will also be awarded if they secure more than 80 percent in the entrance examination.

There are 20 seats for each MA courses, 10 seats for each MPhil and 5 seats for each PhD courses whereas PhD in Buddhist Studies has 10 seats.

Present days there is a huge demand for Chinese language in various orgainzations, and other institutions. Cater to this growing demands Sanchi University has also started a certificate course in Chinese language where not only Mandarin is going to be taught but also the students will be informed about culture and traditions of China. For Chinese language course there are 20 seats available.

A student does not need to appear in the entrance exam, he has to face interview. Government organizations and Indian Reserved forces have shown keen interest in this course as well. Barla academic campus of Sanchi University has fully furnished hostels for 90 students.

One-day seminar on forestry and wildlife today: Forest Minister Dr. Gaurishankar Shejwar will be the chief guest at one-day seminar on forestry and wildlife at RCVP Noronha Academy of Administration here on May 31. Discussions will be held and strategy chalked out at the seminar on preservation of rivers, especially plantation along banks of Kshipra and Narmada, conservation and augmentation of forests and near-extinct species of wildlife, drinking water facility for vultures, plantation etc.

राज एक्सप्रेस

मंगलवार, 31 मई, 2016
www.rajexpress.in

अच्छी खबर

एक वर्षीय चीनी भाषा पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा विश्वविद्यालय

सांची से अब चीनी भाषा में होगी पीएचडी

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

हिन्दी अंग्रेजी भाषाओं के साथ अब भारतीय छात्र चीनी भाषा में भी एमए एमफिल और पीएचडी की डिग्री हासिल कर सकेंगे। दरअसल कंपनियों, फर्मों और अन्य संस्थानों में चीनी भाषा जानने वालों की लगातार बड़ रही डिमांड के चलते सांची विवि एक वर्षीय चीनी भाषा पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। इस पाठ्यक्रम के शुरू होने से ना सिर्फइसमें चीनी भाषा बल्कि वहां की संस्कृति और धार्मिक परंपराएं भी पढ़ाई जाने से छात्र उनसें परिचित हो सकेंगे।

दरअसल सांची विश्वविद्यालय द्वारा जुलाई 2016 के शिक्षण सत्र से चीनी भाषा मैं डेरिन.का विशेष पाठ्यक्रम प्रारंभ करने जा रहा है। इस पाठ्यक्रम के अलावा एमए, एमफिल एवं पीएचडी के पाठ्यक्रम भी प्रारंभ किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले प्रत्येक छात्र को 14000 प्रतिमाह, एमफिल के पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले प्रत्येक छात्र को 8000 प्रतिमाह की स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। मध्य प्रदेश के छात्रों द्वारा इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेकर लाभ उठाया जा सकता है।

विदेशी छात्र ले रहें है रुचि

विदेशी भाषा में पाठ्यक्रम शुरू किए जाने के एक माह पहले से ही सांची बौद्ध विवि में विदेशी छात्रों खासकर अमेरिका, थाइलैंड, म्यांमार, ताइवान, सिंगापुर, श्रीलंका एवं भूटान से विश्वविद्यालय को प्रवेश संबंधी आवेदन एवं रुचि प्राप्त हो रही है। सांची विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में आवेदन की कोई अधिकतम आयु सीमा नही है यानि कि किसी भी उम्र का व्यक्ति इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकता है। छात्र को मात्र पिछली कक्षा का वह मापदंड पूर्ण करना होगा जैसा कि यूजीसी द्वारा निर्धारित है। उपरोक्त पाठ्यक्रमों में शासकीय मापदंडों के अनुसार मध्य प्रदेश के छात्रों को आरक्षण एवं अन्य सुविधाएं भी प्राप्त हैं।

पीएचडी व एमफिल के छात्रों को मिलेगी मासिक छात्रवृति

सांची विश्वविद्यालय द्वारा प्रारंभ किए जा रहे एमफिल एवं पीएचडी पाठ्यक्रमों के लिए चयनित होने वाले प्रत्येक छात्र को प्रतिमाह स्कॉलरशिप भी प्रदान की जाएगी। साथ ही एमए के प्रत्येक पाठ्यक्रम में चयनित होने वाले वरीयता आधार पर प्रथम तीन छात्रों को भी स्कॉलरशिप दी जाएगी। सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु छात्रों को प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होना अनिवार्य है। एमए पाठ्यक्रमों में 20 सीटें, एमफिल में 10 सीटें तथा पीएचडी में 5 सीटें हैं वहीं पीएचडी बौद्ध अध्ययन में 10 सीटें हैं।

134

भोपाल, मंगलवार, 31 मई 2016

हरिभूमि 12

नया पाठ्यक्रम | कंपनियों में बढ़ रही मांग, सांची विश्वविद्यालय में एमए, एमफिल, पीएचडी पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश प्रक्रिया जारी

सांची विवि चीनी भाषा में भी कराएगा कोर्स

हरिभूमि न्यूज, भोपाल

चीनी भाषा जानने वालों की कंपनियों में लगातार मांग बढ़ रही है। व्यापारिक फर्मों एवं अन्य संस्थानों में भी इनकी भारी मांग होने के कारण अब सांची विवि एक वर्षीय चीनी भाषा पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। इसमें न सिर्फ चीनी भाषा, बल्कि वहां की संस्कृति और धार्मिक परंपराएं भी पढ़ाई जाएंगी। इस कोर्स के छात्रों को इंटरव्यू के जरिए प्रवेश मिलेगा। दरअसल सांची विश्वविद्यालय जुलाई 2016 के शिक्षण सत्र से चीनी भाषा (मैंडेरिन) का विशेष पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है। इस पांठ्यक्रम के अतिरिक्त एमए, एमफिल एवं पीएचडी के पाठ्यक्रम भी प्रारंभ किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले प्रत्येक छात्र को रु. 14,000 प्रतिमाह एमफिल के पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले प्रत्येक छात्र को रु.8,000 प्रतिमाह की स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। मध्य प्रदेश के छात्रों द्वारा इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेकर लाभ उठाया जा सकता है। गौरतलब है कि सांची बौद्ध विवि में विदेशी छात्रों खासकर अमेरिका, थाइलैंड, म्यांमार, ताइवान, सिंगापुर, श्रीलंका एवं भूटान से विश्वविद्यालय को प्रवेश संबंधी आवेदन एवं रुचि प्राप्त हो रही है। सांची विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में आवेदन की कोई अधिकतम आयु सीमा नहीं है यानी कि किसी भी उम्र का व्यक्ति इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकता है। छात्र को मात्र पिछली कक्षा का वह मापदंड पूर्ण करना होगा जैसा कि विवि अनुदान आयोग (यू.जी.सी) द्वारा निर्धारित है। उपरोक्त पाठ्यक्रमों में शासकीय मापदंडों के अनुसार मध्य प्रदेश के छात्रों को आरक्षण एवं अन्य सुविधाएं भी प्राप्त हैं।

पीएचडी व एमफिल के छात्रों को मिलेगी मासिक छात्रवृत्ति

सांची विवि द्वारा प्रारंभ किए जा रहे एमफिल एवं पीएचडी पाठ्यक्रमों के लिए चयनित होने वाले प्रत्येक छात्र को स्कॉलरशिप भी दी जाएगी। साथ ही एमए के प्रत्येक पाठ्यक्रम में चयनित होने वाले वरीयता आधार पर प्रथम तीन छात्रों को स्कॉलरशिप दी जाएगी। छात्रों को प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होना अनिवार्य है। एमए पाठ्यक्रमों में 20-20 सीटें, एमफिल में 10-10 सीटें तथा पीएचडी में 05-05 सीटें हैं। पीएचडी बौद्ध अध्ययन में 10 सीटें हैं।

135

पीपुल्स समाचार भोपाल, मंगलवार 31 मई 2016 08

चाइनीज लैंग्वेज कोर्स लॉन्च

सांची विवि ने किया कोर्स लॉन्च

यंग रिपोर्टर • भोपाल
editor@peoplessamachar.co.in

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के जुलाई 2016 से शुरू हो रहे अकादमिक सत्र के लिए एमए, एमफिल, पीएचडी एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम में बहुत रुझान देखा जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के इन पाठ्यक्रमों में बड़ी संख्या में देशभर से छात्र आवेदन जमा कर रहे हैं। विदेशी छात्रों खासकर अमेरिका, थाइलैंड, म्यांमार, ताइवान, सिंगापुर, श्रीलंका एवं भूटान से विवि को प्रवेश संबंधी आवेदन एवं रुचि प्राप्त हो रही है।

मौजूदा दौर में चीनी भाषा जानने वालों की कंपनियों, व्यापारिक फर्मों एवं अन्य संस्थानों में भारी मांग है। सांची विवि का एक वर्षीय चीनी भाषा पाठ्यक्रम इस मामले में अनूठा है कि ना सिर्फ इसमें चीनी भाषा बल्कि वहां की संस्कृति और धार्मिक परंपराएं भी पढ़ाई जाएंगी। इस कोर्स के छात्रों को इंटरव्यू के जरिए प्रवेश मिल सकेगा। 20 सीट वाले चीनी भाषा पाठ्यक्रम में कई सरकारी एवं अर्धसैनिक बल ने भी रुचि दिखाई है। विवि के सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु परीक्षा का आयोजन 18 जून 2016 को रखा गया है।